

УТВЕРЖДАЮ:

Первый заместитель министра

природных ресурсов

Забайкальского края

З.Д. Аппоев

2020 г.

АКТ

лесопатологического обследования № 1080-20-464

лесных насаждений Сретенского лесничества (лесопарка)

Забайкальского края (субъект РФ)

Способ лесопатологического обследования: 1. Визуальный

2. Инструментальный

Место проведения

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Квартал (кварталы) | Выдел (выделы) | Площадь, га |
|------------------------|----------------|--------------------|----------------|-------------|
| Сретенское | | 10 | 12 | 59(50,2) |
| | | 10 | 36 | 11 (10,1) |
| | | 10 | 45 | 21(21) |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | Итого | | 91(81,3) |

Лесопатологическое обследование проведено на общей площади 81,3 га.

1. Визуальное лесопатологическое обследование

Наземное ☒

Дистанционное ☐

1. На площади 81,3 га фактическая таксационная характеристика лесного насаждения соответствует (не соответствует) таксационному описанию (нужное подчеркнуть). Причины несоответствия: давность лесоустройства, 1986 г.

Список участков с выявленными несоответствиями таксационным описаниям приведена в приложении 1 к данному Акту.

2. Лесные насаждения с нарушенной и утраченной устойчивостью выявлены на площади 81,3 га:

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Площадь, га | | Причина ослабления (гибели) |
|------------------------|----------------|----------------------------|----------------------------|--------------------------------|
| | | с нарушенной устойчивостью | с утраченной устойчивостью | |
| Сретенское | | 81,3 | - | 865 (пожар № 35, 06.07.2017г.) |
| Итого | | 81,3 | - | |

Состояние обследованных лесных насаждений приведено в приложении 1.1.-1.4. к Акту в зависимости от метода проведения ЛПО.

3. В обследованных лесных участках прогнозируется:

| Прогноз | Площадь, га |
|--|--|
| Ослабление лесных насаждений | - |
| Усыхание лесных насаждений различной степени | - |
| Развитие очагов вредных организмов | Встречаемость вредных организмов в пределах естественного фона, показателей для развития очагов нет. |

4. Обнаружено загрязнение лесного участка отходами и выбросами: **промышленными** ☐ **бытовыми** ☐

| Вид загрязнения | Размеры загрязнения | | | Объем, кубм | Площадь загрязнения, га |
|-----------------|---------------------|-----------|-----------|-------------|-------------------------|
| | длина, м | ширина, м | высота, м | | |
| нет | | | | | |
| нет | | | | | |

ЗАКЛЮЧЕНИЕ:

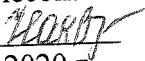
Оценка текущего санитарного и лесопатологического состояния лесных насаждений, назначенные профилактические мероприятия по защите лесов, агитационные мероприятия:

В квартале 10 выдел 12 на площади 50,2 га средневзвешенная категория состояния насаждения составляет 1,7. Насаждение с нарушенной устойчивостью, ослабленное. Санитарно-оздоровительные мероприятия не требуются. С целью предотвращения негативных процессов или снижения ущерба от их воздействия следует проводить надзор за состоянием насаждений.

В квартале 10 выдел 36 на площади 10,1 га средневзвешенная категория состояния насаждения составляет 1,8. Насаждение с нарушенной устойчивостью, ослабленное. Санитарно-оздоровительные мероприятия не требуются. С целью предотвращения негативных процессов или снижения ущерба от их воздействия следует проводить надзор за состоянием насаждений.

В квартале 10 выдел 45 на площади 21 га средневзвешенная категория состояния насаждения составляет 2,2. Насаждение с нарушенной устойчивостью, ослабленное. Санитарно-оздоровительные мероприятия не требуются. С целью предотвращения негативных процессов или снижения ущерба от их воздействия следует проводить надзор за состоянием насаждений.

Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:

ФИО Наквасина Н.И. Подпись 

Дата составления документа 04.08. 2020 г.

Ведомость лесных участков с выявленными несоответствиями таксационным описаниям

| Ведомость лесных участков с выделением | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|----------------|--------------|--------------------|--------------------------|--------------------------|----------------------------------|--|---------|--------|---------------------------|-------------------|---------------------|----------|-----|---------|---------|--------------|-----------------|-------------------|--|--|--|
| Таксационная характеристика | | | | | | | | | | Заложено пробных площадей | | | | | | | | | | | | |
| Год проведения лесосурейства | Номер квартала | Номер выдела | Площадь выдела, га | Целевое назначение лесов | Категория защитных лесов | Номер лесопатологического выдела | Площадь лесопатологического выдела, га | состав | порода | возраст, лет | средняя высота, м | средний диаметр, см | тип леса | ТУМ | полнота | бонитет | запас, км/га | количество, шт. | общая площадь, га | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ТО 1986 | 10 | 12 | 59 | эксплуатационные | - | | | 6Л4Б | Л | 90 | 20 | 26 | рт | В2 | 0,5 | 3 | 140 | | | | | |
| Ф 2020* | 10 | 12 | 59 | эксплуатационные | - | 1 | 50,2 | 6Л4Б | Б | 40 | 15 | 18 | рт | В2 | 0,5 | 3 | 121 | 16 | - | | | |
| | | | | | | | | | Л | 121 | 22 | 24 | | | | | 20 | | | | | |
| | | | | | | | | | Б | 71 | 18 | 20 | | | | | 4 | | | | | |
| ТО 1986 | 10 | 36 | 11 | эксплуатационные | - | | | 10Б+Ос | Б | 10 | 4 | 4 | рт | В2 | 0,5 | 3 | 53 | 8 | - | | | |
| | | | | | | | | | Ос | 41 | 14 | 12 | | | | | 10 | | | | | |
| | | | | | | | | | Л | 81 | 17 | 24 | | | | | 6 | | | | | |
| Ф 2020* | 10 | 36 | 11 | эксплуатационные | - | 1 | 10,1 | 8Б1Ос1Л | Ос | 41 | 14 | 12 | рт | В2 | 0,5 | 3 | 10 | 12 | - | | | |
| | | | | | | | | | Л | 81 | 17 | 24 | | | | | 6 | | | | | |
| | | | | | | | | | Б | 10 | 4 | 4 | | | | | 10 | | | | | |
| ТО 1986 | 10 | 45 | 21 | эксплуатационные | - | | | 10Б+Л | Б | 10 | 4 | 12 | рт | В2 | 0,5 | 3 | 50 | 12 | - | | | |
| | | | | | | | | | Б | 45 | 14 | 12 | | | | | 7 | | | | | |
| | | | | | | | | | Ос | 41 | 13 | 12 | | | | | 13 | | | | | |
| Ф 2020* | 10 | 45 | 21 | эксплуатационные | - | 1 | 21 | 7Б1Ос2Л | Л | 95 | 19 | 28 | рт | В2 | 0,5 | 3 | 13 | 12 | - | | | |
| | | | | | | | | | Ос | 41 | 13 | 12 | | | | | 7 | | | | | |
| | | | | | | | | | Л | 95 | 19 | 28 | | | | | 13 | | | | | |

ТО – таксационные описания
Ф – фактическая характеристика лесного насаждения

Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:
Накашина Н.И. Подпись Н.И. Накашина Дата составления документа 04.08. 2020г.
Телефон 830246 2-20-10

Приложение 1.1 к акту лесопатологического обследования

Результаты проведения лесопатологических обследований лесных насаждений за август 2020 г.

| Зубект Российской Федерации | | | | | | | | | | Забайкальский край | | | | | | | | | | Урочище (лесная дача) | | | | | | | | | | Рекомендуемые мероприятия | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| Участковое лесничество | | | | | | | | | | Среденское | | | | | | | | | | Распределение деревьев по категориям состояния, % от запаса | | | | | | | | | | Причина ослабления, повреждения | | | | | | | | | | Подлежит рубке, % | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Таксационная характеристика лесного насаждения | | | | | | | | | | Число деревьев на пробе, шт. | | | | | | | | | | Признаки повреждения деревьев | | | | | | | | | | Доля повреждённых деревьев, % | | | | | | | | | | Лесное назначение | | | | | | | | | | Категория защитных лесов | | | | | | | | | | Номер лесопатологического выдела | | | | | | | | | | Площадь лесопатологического выдела, га | | | | | | | | | | Состав | | | | | | | | | | Порода | | | | | | | | | | Возраст | | | | | | | | | | средняя высота, м | | | | | | | | | | средний диаметр, см | | | | | | | | | | тип леса | | | | | | | | | | плотность | | | | | | | | | | бонитет | | | | | | | | | | запас, куб. м/га | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Номер квартала | | | | | | | | | | Номер выдела | | | | | | | | | | Площадь выдела, га | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | | Экспл. | | | | | | | | | |

Примечание – Показатели, не соответствующие таксационному описанию отмечаются «*»

865- устойчивый низовой пожар высокой интенсивности 1-3 летней давности;

314- ожог корневой шейки 1-3 лет (более 3/4 окружности)

326 – ожог стволов 1-3 лет (камбий поврежден более 3/4 окружности)

Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:

Наквасина Н.И. Подпись

Дата составления документа

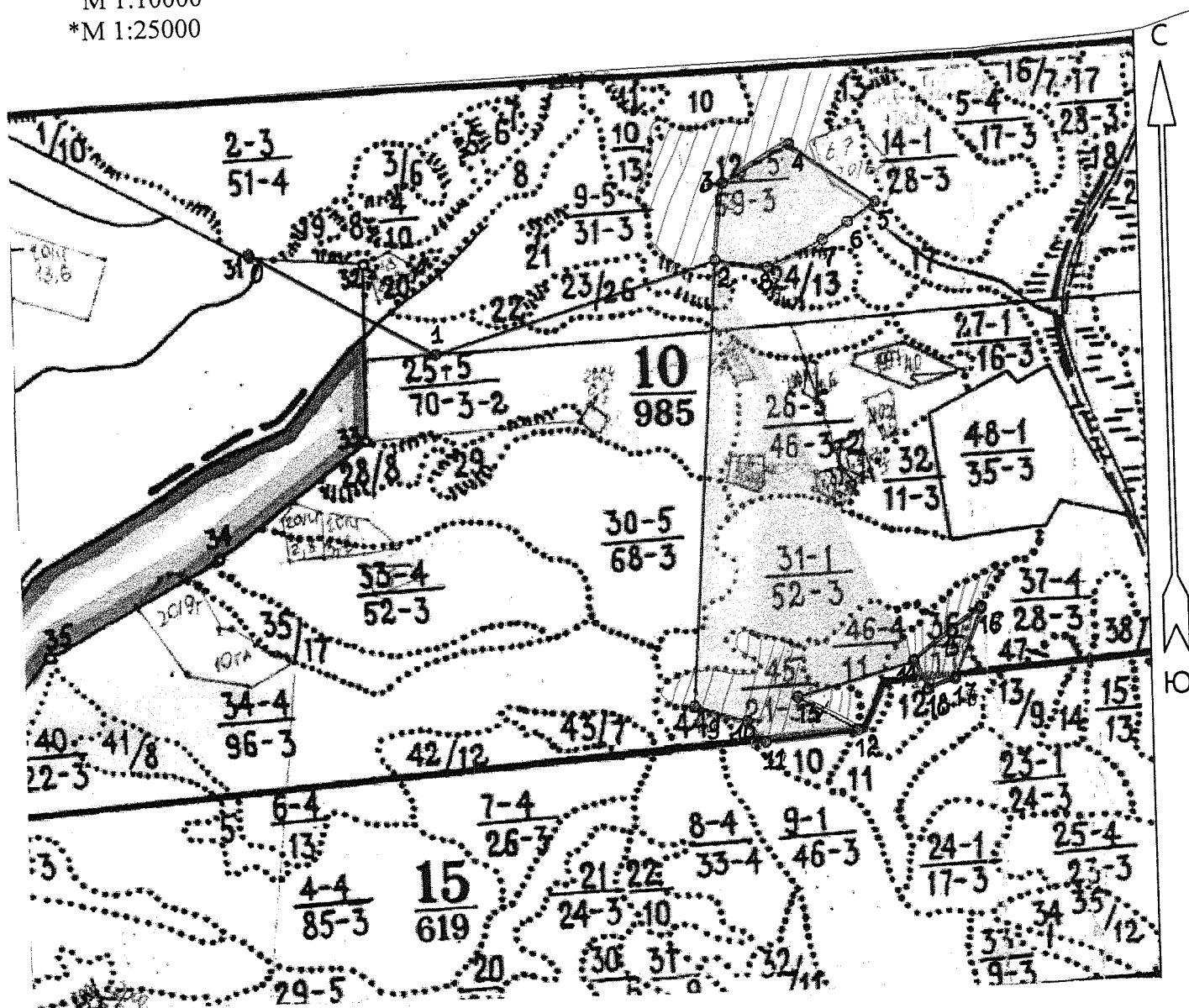
04.08.2020 г.

Телефон

830246 2-20-10

Абрис участка

М 1:10000
*М 1:25000

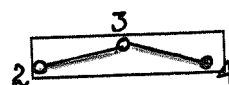


Условные обозначения:

площадь ЛПО



маршрутный ход



| Номер выдела | Ленты (круговой площадки) перече́та | | | | |
|-----------------|-------------------------------------|----------|-----------|-----------|-------------|
| | № ленты (площадки) | длина, м | ширина, м | радиус, м | площадь, га |
| | | | | | |

| Номера точек | Координаты | Румбы линий | Длина, м |
|--------------|-----------------------------|-------------|----------|
| 0 | N 52° 21.690' E 117°38.483' | привязка | |
| 0-1 | N 52° 21.530' E 117°39.177' | ЮВ 69°12' | 841 |
| 1-2 | N 52° 21.785' E 117°40.101' | СВ 64°36' | 1149 |
| 2-3 | N 52° 21.947' E 117°40.095' | СЗ 01°18' | 301 |
| 3-4 | N 52° 22.045' E 117°40.311' | СВ 53°12' | 304 |
| 4-5 | N 52° 21.946' E 117°40.630' | ЮВ 63°06' | 405 |
| 5-6 | N 52° 21.898' E 117°40.544' | ЮЗ 47°00' | 132 |
| 6-7 | N 52° 21.854' E 117°40.464' | ЮЗ 48°36' | 121 |
| 7-8 | N 52° 21.782' E 117°40.283' | ЮЗ 56°48' | 245 |
| 8-2 | N 52° 21.785' E 117°40.101' | СЗ 88°30' | 207 |
| 2-9 | N 52° 20.814' E 117°40.204' | ЮВ 03°42' | 1734 |
| 9-10 | N 52° 20.796' E 117°40.390' | ЮВ 80°48' | 214 |
| 10-11 | N 52° 20.757' E 117°40.462' | ЮВ 48°12' | 109 |
| 11-12 | N 52° 20.806' E 117°40.777' | СВ 75°42' | 369 |
| 12-13 | N 52° 20.859' E 117°40.555' | СЗ 68°36' | 270 |
| 13-14 | N 52° 20.958' E 117°40.944' | СВ 66°30' | 477 |
| 14-15 | N 52° 21.030' E 117°41.062' | СВ 44°48' | 189 |
| 15-16 | N 52° 21.086' E 117°41.153' | СВ 45°00' | 146 |
| 16-17 | N 52° 20.933' E 117°41.094' | ЮЗ 13°18' | 292 |
| 17-18 | N 52° 20.904' E 117°41.007' | ЮЗ 61°36' | 112 |
| 18-14 | N 52° 20.958' E 117°40.944' | СЗ 35°12' | 123 |

Привязка от межевого столба № 31 – точка 0.

Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:

Наквасина Н.И. Накв

Дата составления документа

04.08.2020г.

Телефон

8(30246)2-20-10

Утверждаю:
 Начальник Сретенского участка
 Восточного межрайонного отдела
 КГСАУ Забайкаллесхоз
 3 А.Ю.Засухин

АКТ
 натурного обследования

27 июля 2020 года

г. Сретенск

Комиссия в составе: лесничего Сретенского участкового лесничества Сретенского лесничества ГКУ «Управление лесничествами Забайкальского края» В.Г. Золотуева, мастера леса Сретенского участкового лесничества Сретенского лесничества ГКУ «Управление лесничествами Забайкальского края» С.В. Деревцова, инженера Сретенского участка Восточного межрайонного отдела КГСАУ «Забайкаллесхоз» Н.И. Наквасиной провели натурное обследование выделов 12, 36, 45 квартала 10 Сретенского участкового лесничества Сретенского лесничества.

1. Характеристика выдела 12 квартала 10 Сретенского участкового лесничества Сретенского лесничества по материалам лесоустройства 1986 года:

Категория защитности лесов – эксплуатационные.

Площадь – 59 га, состав – 6Л4Б,

Возраст – 40 лет, высота – 13 м, диаметр – 12 см, бонитет – 3, тип леса – рт. В2,

полнота – 0,7; запас – 80 м3/га,

При натурном обследовании выдела 12 квартала 10 Сретенского участкового лесничества Сретенского лесничества на площади 52 га путем закладки пробных площадей методом круговых площадок полнотомером Биттерлиха, замеров высот и определения возраста путем отбора модельных деревьев установлена следующая таксационная характеристика:

| Сумма площадей сечения, м2 | | | | Модельные деревья | | | |
|----------------------------|-----|-----|-------|-------------------|--------------|-----------|-------------|
| № п/п | Л | Б | Итого | порода | возраст, лет | высота, м | диаметр, см |
| 1 | 5 | 5 | 10 | Л | 121 | 22 | 24 |
| 2 | 9 | 5 | 14 | Л | 115 | 21 | 22 |
| 3 | 15 | 9 | 24 | Л | 121 | 22 | 24 |
| 4 | 10 | 6 | 16 | Л | 125 | 22 | 24 |
| 5 | 11 | 4 | 15 | Л | 121 | 21 | 24 |
| 6 | 8 | 7 | 15 | Л среднее | 121 | 22 | 24 |
| 7 | 12 | 12 | 24 | Б | 68 | 17 | 18 |
| 8 | 10 | 4 | 14 | Б | 70 | 18 | 20 |
| 9 | 7 | 6 | 13 | Б | 74 | 18 | 22 |
| 10 | 7 | 8 | 15 | Б среднее | 71 | 18 | 20 |
| 11 | 10 | 7 | 17 | | | | |
| 12 | 11 | 5 | 15 | | | | |
| 13 | 9 | 5 | 14 | | | | |
| 14 | 10 | 10 | 20 | | | | |
| 15 | 11 | 5 | 16 | | | | |
| 16 | 10 | 4 | 14 | | | | |
| Всего | 155 | 102 | 257 | | | | |
| Среднее на 1 га | 9,7 | 6,4 | 16,1 | | | | |

Состав –6Л4Б
 Полнота –0,5
 Средний возраст –Л- 121, Б -71 лет; Средняя
 высота - Л- 22м; Б-18м;
 Средний диаметр - Л- 24 см; Б-20 см;
 Запас 148м³ на 1 га;
 Бонитет-3
 Тип леса рт,В2

2.Характеристика выдела 36квартала 10 Сретенского участкового лесничества
 Сретенского лесничества по материалам лесоустройства 1986 года:
 Категория зашитности лесов – эксплуатационные.

Площадь –11 га, состав –10Б+Ос,

Возраст- 10 лет, высота –4 м, диаметр – 4 см, бонитет – 3, тип леса –рт. В2 ,
 полнота – 0,5; запас – 10 м3/га.,

При натурном обследовании выдела 36 квартала 10 Сретенского участкового лесничества
 Сретенского лесничества на площади 10,1га путем закладки пробных площадей методом
 круговых площадок полнотомером Биттерлиха, замеров высот и определения возраста
 путем отбора модельных деревьев установлена следующая таксационная
 характеристика:

| Сумма площадей сечения,м2 | | | | Модельные деревья | | | |
|---------------------------|------|-----|-----|-------------------|-----------------|-----------|------------|
| № п/п | Л | Б | Ос | порода | возраст, лет | высота,м | диаметр,см |
| 1 | 1 | 9 | 1 | Л | 85 | 18 | 26 |
| 2 | 1 | 8 | 2 | Л | 80 | 17 | 24 |
| 3 | 0 | 6 | 2 | Л | 77 | 17 | 22 |
| 4 | 0 | 9 | 2 | Л | 85 | 17 | 24 |
| 5 | 2 | 7 | 1 | Л | 80 | 17 | 24 |
| 6 | 1 | 6 | 1 | Л среднее | 81 | 17 | 24 |
| 7 | 0 | 8 | 2 | Б | 45 | 14 | 16 |
| 8 | 1 | 9 | 1 | Б | 44 | 14 | 16 |
| | | | | Б | 45 | 14 | 17 |
| | | | | Б среднее | 45 | 14 | 16 |
| | | | | Ос | 40 | 13 | 10 |
| | | | | Ос | 41 | 14 | 12 |
| | | | | Ос | 41 | 14 | 14 |
| Всего | 6 | 62 | 12 | Ос среднее | 41 | 14 | 12 |
| Среднее на 1га | 0,8 | 7,8 | 1,5 | | | | |
| | 10,1 | | | | | | |

Состав –8Б1Ос1Л
 Полнота –0,5
 Средний возраст –Л- 81 год, Б -45 лет; Ос -41 год;
 Средняя высота - Л- 17м; Б-14м; Ос – 14м;
 Средний диаметр - Л- 24 см; Б-16 см; Ос – 12см.
 Запас 69м³ на 1 га;
 Бонитет-3
 Тип леса рт,В2

3.Характеристика выдела 45квартала 10 Сретенского участкового лесничества
 Сретенского лесничества по материалам лесоустройства 1986 года:

Категория защитности лесов – эксплуатационные.

Площадь – 21 га, состав – 10Б+Л,

Возраст – 10 лет, высота – 4 м, диаметр – 4 см, бонитет – 3, тип леса – рт. В2,
полнота – 0,5; запас – 10 м³/га.,

При натурном обследовании выдела 45 квартала 10 Сретенского участкового лесничества Сретенского лесничества на площади 21 га путем закладки пробных площадей методом круговых площадок полнотомером Биттерлиха, замеров высот и определения возраста путем отбора модельных деревьев установлена следующая таксационная характеристика:

| Сумма площадей сечения, м ² | | | | Модельные деревья | | | |
|--|-----|-----|-----|-------------------|--------------|-----------|-------------|
| № п/п | Л | Б | Ос | порода | возраст, лет | высота, м | диаметр, см |
| 1 | 2 | 7 | 1 | Л | 95 | 19 | 26 |
| 2 | 2 | 6 | 1 | Л | 95 | 19 | 28 |
| 3 | 1 | 5 | 2 | Л | 100 | 20 | 30 |
| 4 | 2 | 8 | 1 | Л | 90 | 18 | 26 |
| 5 | 0 | 10 | 0 | Л | 97 | 19 | 28 |
| 6 | 1 | 10 | 2 | Л среднее | 95 | 19 | 28 |
| 7 | 3 | 7 | 0 | Б | 45 | 14 | 14 |
| 8 | 1 | 6 | 1 | Б | 44 | 14 | 10 |
| 9 | 1 | 4 | 2 | Б | 45 | 14 | 12 |
| 10 | 0 | 10 | 1 | Б среднее | 45 | 14 | 12 |
| 11 | 2 | 9 | 2 | Ос | 40 | 13 | 12 |
| 12 | 3 | 7 | 0 | Ос | 39 | 12 | 10 |
| Всего | 18 | 89 | 13 | Ос | 44 | 13 | 14 |
| Среднее на 1 га | 1,5 | 7,4 | 1,1 | Ос среднее | 41 | 13 | 12 |
| 10,0 | | | | | | | |

Состав – 7Б1ос2Л

Полнота – 0,5

Средний возраст – Л- 95 лет, Б - 45 лет; Ос 41 год;

Средняя высота - Л- 19 м; Б- 14 м; Ос - 13 м;

Средний диаметр - Л- 28 см; Б- 12 см; Ос - 12 см

Запас 70 м³ на 1 га;

Бонитет-3

Тип леса рт, В2

Для обработки материалов обследования использовались: таблицы для таксации насаждений Читинской области 1985 г., лесоустроительная инструкция 2018 г (приказ Рослесхоза № 122 от 29.03.2018 г)

Лесничий Сретенского участкового лесничества
Сретенского лесничества ГКУ «Управление
лесничествами Забайкальского края»
Мастер леса Сретенского участкового лесничества
Сретенского лесничества ГКУ «Управление
лесничествами Забайкальского края»
Инженер Сретенского участка
ВМО КГСАУ «Забайкаллесхоз»

В.Г. Золотуев

С.В. Деревцов

Н.И. Наквасина

Таксационное описание

Среденское лесничество Среденское участковое лесничество

Квартал: 10

Категория зашитности: эксплуатирваемые леса

| | | | | | | | | | |
|-------------|---|-----------|------|-------------------|----------------------|-------------------|-----|-----------------------|----------------|
| Состав, | : Э л : В : | Д : К Г : | Б : | Тип : | П : | Запас сырораст. : | К : | Запас на выделе, м3 : | |
| Н в : Пло-: | Я: л е : о : В : | и : л р : | о : | леса : | о : | леса, м3 : | л : | | |
| о ы:шадь,: | р: е с : з : ы : а : | н : | н : | л : | л : | | т : | : Един: Захламлен.: | Хозяйственные: |
| м д: : | у: м а : р : с : м : в : и : | тип : | н : | На : | В т. ч. о : | | | : дер.: | распоряжения : |
| е: га : | с: е : а : о : е : о : т : лесор.: | о : | о : | Общий: по : | в : Сухо: Ре-: ест.: | | | | |
| р л: : | : - : н : с : т : т : з : з : е : услов.: | т : | га : | на : сост.: | а : стоя: дин: воз.: | Общий: Лик-: | | | |
| а: : | н: т : т : а : р : р : т : | а : | а : | выдел: пород: р : | | : вида: | | | |
| | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|------|------|------|----|----|----|---|---|---|----|----|-----|------|------|---|
| 12 | 59,0 | 6Л4В | 1 Л | 90 | 20 | 26 | 5 | 3 | 3 | Рт | ,5 | 140 | 8260 | 4956 | 2 |
| | | | 18 Б | 40 | 15 | 18 | | | | В2 | | | | 3304 | 3 |

подрост: 10Б (10) 2,0 м, 1,0 тыс. шт/га

подлесок: СПР редкий

склон В -15

насаждение: нормальные

Копия верна:
/ Начальник Среденского лесничества
А.Я. Окладников

Таксационное описание

Сретенское лесничество Сретенское участковое лесничество
Категория зашитности: эксплуатируемые леса

Квартал: 10

| | | | | | | | | | | | | | |
|-------------|---|---|---|---|---|---|---|--------------|------|---------------|----------|---------------------|----------------|
| Состав, | Э | Л | В | Д | К | Г | Б | Тип | П | Запас сыраст. | К | Запас на выделе, м3 | |
| Площадь, | Я | Л | О | В | И | Л | Р | О | Леса | О | Леса, м3 | | |
| Подлесок, | Р | Е | С | З | Ы | А | Н | Н | Л | Т | | Един:Захламлен. | Хозяйственные: |
| Почва, | У | М | А | Р | С | М | В | И | Тип | Н | На | дер. | распоряжения |
| Рельеф, | С | Е | А | О | Е | О | Т | Лесор. | О | Общий: по | В | Сухо: Ре-:ест. | |
| Особенности | - | Н | С | Т | Т | З | Е | Услов. | Т | га | на | сост.:а | Общий:Лик- |
| Выдела | Н | Т | А | Р | Р | Т | А | Выдел:пород: | Р | | | вида: | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|------|--------|---|---|----|---|---|---|---|---|----|---|----|-----|-----|
| 36 | 11,0 | 10Б+ОС | 1 | Б | 10 | 4 | 4 | 1 | 1 | 3 | РТ | 5 | 10 | 110 | 110 |
| | | | | | | | | | | | В2 | | | | |

склон С -20
хар-ка смены кат. земель: прежняя категория : гарь преодл. пор. Л
хоз. м-я , выпол-е л-зом:ест. возобновл. порода Б запроект л/у обоснованно оценка удовл.



Копия верна:
/Начальник Сретенского лесничества
А.Я. Окладников

Таксационное описание

Сретенское лесничество Сретенское участковое лесничество

Категория зашитности: эксплуатируемые леса

Квартал: 10

| | | | | | | | | | | | | | |
|-----------|---|---|---|---|---|---|---|-----|---|---------------|---|---------------------|----------------|
| Состав, | Э | Л | В | Д | К | Г | Б | Тип | П | Запас сыраст. | К | Запас на выделе, м3 | |
| Н в: Пло- | Я | Л | О | В | И | Л | Р | О | Л | О | Л | | |
| о ы:щадь, | р | е | с | ы | а | н | н | н | л | л | л | Един:Захламлен. | Хозяйственные: |
| м д: | у | м | а | р | с | м | в | и | н | н | а | дер. | распоряжения |
| е е: га | с | е | а | о | е | о | о | т | л | е | с | Сухо: Ре-ест. | |
| р л: | н | н | с | т | т | з | з | е | у | с | л | Общий:Лик- | |
| а: | н | т | а | р | р | т | а | а | а | а | а | дин:воз. | Общий:Лик- |
| | | | | | | | | | | | | выдел:пород:р | вида: |
| | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|------|-------|---|---|---|----|---|---|---|---|---|----|----|----|-----|
| 45 | 21,0 | 10Б+Л | 1 | 4 | Б | 10 | 4 | 4 | 1 | 1 | 3 | РТ | ,5 | 10 | 210 |
| | | | | | | | | | | | | В2 | | | |

склон С -20
хар-ка смены кат. земель: прежняя категория : гарь преодл. пор. Л
хоз. м-я , выпол-е л-зом:ест. возобновл. порода Б запроект л/у обоснованно оценка удовл.



Копия верна:
/Начальник Сретенского лесничества
А.Я. Окладников